भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3007

09 अगस्त, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

जनजातीय क्षेत्रों में आयुष

3007. डॉ. मन्ना लाल रावत:
क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का देश में योग और प्राकृतिक चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने वाले विद्यालयों और संस्थानों के लिए विनियामक निकाय/संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो जनजातीय बहुल क्षेत्रों सहित तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इस संबंध में सरकार की भावी योजना क्या है; और

(घ) सरकार द्वारा राजस्थान सहित देश के ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में योग और प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञों की उन्नति और संवर्धन के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (घ): वर्तमान में, देश में योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा देने वाले विद्यालयों और संस्थानों के लिए कोई विनियामक निकाय नहीं है। हालांकि, देश में आयुष मंत्रालय के तहत योग और प्राकृतिक चिकित्सा के क्षेत्र में शिक्षा/अनुसंधान करने वाले संस्थान नामतः मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई), नई दिल्ली; केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरवाईएन), नई दिल्ली एवं राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे हैं। एमडीएनआईवाई योग शिक्षा के लिए विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है। सीसीआरवाईएन योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों में अनुसंधान और विकास के लिए शीर्ष निकाय है। प्राकृतिक चिकित्सा के लिए एक प्रमुख संस्थान, एनआईएन, प्राकृतिक चिकित्सा और योग से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करता है। एमडीएनआईवाई, सीसीआरवाईएन और एनआईएन की गतिविधियाँ और कार्यक्रम क्रमशः वेबसाइटों अर्थात yogamdniy.nic.in, www.ccryn.gov.in और ninpune.ayush.gov.in पर उपलब्ध हैं।

साथ ही, राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान (एनआईएन), पुणे ने आदिवासी विकास विभाग, महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से, गोहे बुद्रुक, अम्बेगांव, पुणे में, आदिवासी लोगों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक पूर्ण योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अस्पताल की स्थापना की है।

इसके अतिरिक्त, यह मंत्रालय देश में योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा सहित विभिन्न आयुष पद्धतियों के विकास और संवर्धन के लिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना को क्रियान्वित कर रहा है और उन्हें राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) में प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान कर रहा है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें, एनएएम दिशानिर्देशों के अनुसार, राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से प्रस्ताव प्रस्तुत करके वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकती हैं। राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) के तहत, आयुष मंत्रालय राजस्थान सहित राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों के माध्यम से 12,500 आयुष स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) के संचालन को क्रियान्वित कर रहा है। इन आयुष एचडब्ल्यूसी में, योग्य योग प्रशिक्षकों द्वारा समुदाय-आधारित उपचार के रूप में सामान्य स्वास्थ्य संवर्धन के लिए ग्रामीण और आदिवासी लोगों सहित जनता को योग सिखाया जा रहा है।

*****